ykd lHkk

vrkjkafdr iz'u la[;k 1429
mÙkj nsus dh rkjh[k % 08-12-2015

th,Qvkj 142 vkSj 144 esa la'kks/ku

1429- Mkñ mfnr jkt%

D;k **lw{e] y?kq vkSj e/;e m|e ea=h** ;g crkus dh Ñik djsaxs fd%

¼d½ D;k lw{e] y?kq vkSj e/;e m|e ea=ky; us iLrko ds ek/;e ls dsanz ljdkj vuqca/kdrkvksa@vkmVlkslZ@fufonkvksa esa vuqlwfpr tkfr@vuqlwfpr tutkfr dks vkj{k.k nsus ds fy, foÙk ea=ky; ls th,Qvkj 142 vkSj 144 dks la'kksf/kr djus dk vuqjks/k fd;k gS(
¼[k½ ;fn gka] rks ,sls iLrko dh orZeku fLFkfr D;k gS(
¼x½ ea=ky; }kjk th,Qvkj 142 vkSj 144 dks la'kksf/kr djus ds fy, iLrko esa ea=ky; }kjk lfEefyr fd, tkus okys iLrkfor vkj{k.k dh izfr'krrk D;k gS(
¼?k½ D;k dqN jkT; ljdkjsa vuqca/kksa@ vkmVlkslZ@fufonkvksa esa vuqlwfpr tkfr@vuqlwfpr tutkfr dks vkj{k.k iznku dj jgh gSa vkSj ;fn gka] rks rRlaca/kh C;kSjk D;k gS(vkSj
¼³½ blesa lkaln lcaf/kr tuojh 2015 rd izkIr ojh;rk fQZ'kkfj'kk ij ea=ky; }kjk D;k dkjZokbZ dh xbZ gS\

mÙkj
lw{e] y?kq vkSj e/;e m|e jkT; ea=h
¼Jh fxfjjkt flag½

(क) से (ग) : मंत्रालय का कोई प्रस्ताव वित्त मंत्रालय से जीएफआर 142 तथा 144 को संशोधित करने के लिए अनुरोध करने का नहीं है। तथापि, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय (एमएसएमई) की नई सार्वजनिक प्रापण नीति, जिसे 23.3.2012 को अधिसूचित किया गया था, में एमएसई से कुल 20% प्रापण में से अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के उद्यमियों से चरणों में 20% प्रापण के उप-लक्ष्य का प्रावधान किया गया है। 1 अप्रैल, 2015 से, अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति से संबंधित उद्यमियों के स्वामित्व वाले सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों से कम से कम 20% समग्र प्रापण का लक्ष्य अनिवार्य कर दिया गया है।

(घ): मध्य प्रदेश सरकार, वर्ष 2002 से, अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति से संबंधित उद्यमियों से सरकारी खरीद के कम से कम 30% भाग की खरीद करने की नीति को क्रियान्वित कर रही है।

(ङ): जनवरी, 2015 में विशिष्ट व्यक्ति का एक संदर्भ प्राप्त हुआ था और संबंधित सदस्य को अप्रैल, 2015 में सूचना भेज दी गई थी।

*****